राष्ट्रीय राजमार्गों सम्बन्धी कार्यक्रम

85. **श्री हुकम चन्द कछवाय :** क्या नौवहन और परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या राष्ट्रीय राजमार्गों के सम्बन्ध मे कोई वृहद कार्यक्रम सरकार के विचाराधीन है;

(ख) यदि हा, तो तत्सम्बन्धी मुख्य मुख्य बातें क्या है; और

(ग) वित्तीय वर्ष 1971-72 के दौरान इस मद पर कितनी धनराशि व्यय करने का विचार है ?

संसदीय कार्य तथा नौवहन और परिवहन मंत्री (श्री राज बहादुर) : (क) और (ख) जी, हां। चतुर्थ योजना अवधि के दौरान राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास के लिए विस्तृत कार्यक्रम निम्न प्रकार है :

	करोड रुपये
(1) मौजूदा राष्ट्रीय राजमार्गों में सुधार	293.00
(2) मौजूदा राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास के पिछले कार्य	20.45
(3) नये राष्ट्रीय राजमार्ग	15.00
कुल	328.45

293 करोड़ रुपये की व्यवस्था की तुलना में, मौजूदा राष्ट्रीय राजमार्गों में सुधार के लिए 455 करोड़ रुपये की लागत के कार्य चतुर्थ पंचवर्षीय योजना में शामिल किए गए हैं। योजना अवधि के दौरान इन कार्यों पर होने वाला वास्तविक खर्च 293 करोड़ रुपये की योजना व्यवस्था तक ही सीमित रखा जायेगा। चतुर्थ योजना में नये राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास के लिए 15 करोड़ रुपये की व्यवस्था में से वर्तमान योजना अवधि के दौरान अभी तक पांच नए मार्ग, राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित किए जा चुके है। इस नये राष्ट्रीय राजमार्गों की इकहरा मार्ग मानको के तौर पर विकास के लिए 11.81 करोड़ रुपये के खर्च का अनुमान है। राष्ट्रीय राजमार्ग पद्धति मे शामिल करने के लिए कुछ और मार्ग भी विचाराधीन है।

(ग) राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण तथा विकास पर होने वाले खर्च की पूर्ति के लिए चालू वर्ष के बजट मे 39.78 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है।

जीवाजी विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग में अनुसंधान कार्य करने वाले छात्रों को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से प्राप्त होने वाली सहायता

86. **श्री हुकम चन्द कछवाय :** क्या शिक्षा और समाज कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) इस समय जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर (मध्य प्रदेश) के वनस्पति विज्ञान विभाग मे अनुसंधान कार्य करने वाले छात्रों की संख्या कितनी है ;

(ख) उनमे से कितने छात्रो को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से सहायता मिली है ; और

(ग) उनमे से प्रत्येक को कितनी सहायता मिल रही है ?

शिक्षा और समाज कल्याण मंत्रालय तथा संस्कृति विभाग में राज्य मन्त्री (प्रो० एस० नुरुल हसन) : (क) जीवाजी विश्वविद्यालय

से प्राप्त सूचना के अनुसार वनस्पति विज्ञान विभाग में इस समय 7 छात्र हैं।

(ख) कोई नहीं।

(ग) प्रश्न नहीं उठता।

Report on Administrative and Engineering Services in Hospitals of Delhi and Chandigarh

87. SHRI HUKAM CHAND KACHWAI :
DR. LAXMINARAIN PANDEY :

Will the Minister of HEALTH AND FAMILY PLANNING be pleased to state :

(a) whether the Committee appointed to go into the working of Administrative and Engineering services in Hospitals of Delhi and Chandigarh has submitted its report ; and

(b) if so, the main recommendations thereof ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY PLANNING (PROF. D. P. CHATTOPADHYAYA) : (a). Yes. The Working Group appointed to go into the administrative and engineering set-up of the Safdarjang and Willingdon Hospitals, New Delhi, the All India Institute of Medical Sciences, New Delhi and the post-greduate Institute of Medical Education and Research, Chandigarh has submitted its report to the Government of India.

(b) The main recommendations of the Working Group are indicated in the statement laid on the Table of the House. [*Placed in Library. See* No. LT--962/71].

National Milk Grid

88. SHRI H. K. L. BHAGAT : Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state :

(a) whether Government are taking any steps to have a national milk grid ;

(b) if so, the steps taken in this regard and when is it likely to be achieved ; and

(c) the advantages therefrom ?

THE MINISRER OF STATE IN THE MINISTRY OE AGRICULTURE (PROF. SHER SINGH) : (a) Yes.

(b) The Projcct for Milk Marketing and Dairy Development, commonly known as Operation Flood, *inter-alia* contemplates linkage of major milk producing areas located in 10 States with the Milk Processing Plants located in the larger cities of Bombay, Calcutta, Delhi and Madras through increased milk procurement and provision of storage at strategic points and long distance milk transport facilities. The project is expected to be completed by June, 1975.

(c) The implementation of Project will provide for quick transport of milk from surplus areas to deficit areas as and when necessary, thereby avoiding scarcity pockets and will also help maintaining a reasonable price level of milk in different parts of the country.

Expansion of Activity of State Farms Corporation

89. SHRI H. K. L. BHAGAT : Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state :

(a) whether the State Farms Corporation has expanded its scope of activity by reclaiming private cultivable waste lands as well ; and

(b) if so, the plans formulated in this connection ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI ANNASAHEB P. SHINDE) : (a) and (b). The State Farms Corporation of India has been engaged on custom work for reclamation, soil conservation and harvesting work on the lands of private parties on commercial terms. Since there has been an increasing demand for such custom work, it has been decided to set up a separate unit for undertaking this type of work. The scheme is still under formulation.